

**W-3412(A)****M.A. (Fourth Semester) Examination, (Second Chance) June-2020****HINDI****Paper - 404****Surdas****Time : Three Hours****Maximum Marks : 85 (For Regular Students)****Minimum Pass Marks : 29****Maximum Marks : 100 (For Private Students)****Minimum Pass Marks : 34****नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

Q.1. निम्नांकित पदों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

3×10=30/3×15=45

अ) ऊधौ मन न भए दस बीस।

एक हुलौ सो गयौ स्याम संग, को आराधे ईस॥

इन्द्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौ देही बिनु सीस।

आसा लागि रहिति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस॥

तुम तो सखा स्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस

सूर हमारे नंद-नंदन बिनु और नहीं जगदीश॥

ब) अब मैं नाच्यौ बहुत गोपाल।

काम-क्रोध कौं पहिरी चोलना, कंठ विषय की माल॥

महामोह के नुपुर बाजत, निन्दा सब्द-रसाल।

भ्रम-भोयौं मन भयौं पखावज, चलत असंगत चाल॥

तृष्णा नाद करति घट भीतर, नाना विधि दै ताल।

माया को कटि फेटा बांध्यो, लोभ-तिलक दियौ भाल॥

कोटिक कला काछि दिखगई जल-बल सुधि नहि काल।

सूरदास की सबै अविद्या, दूर करौ नंदलाल॥

स) मधुकर! स्याम हमारे ईस

जिनको ध्यान धरे उर अंतर, आनहिं नए न उन विससीस

जोगिन जान जोग उपदेसौं, जिनके मन दस-वीस।

एकै मन, एकै वहै मूर्ति नित वितवत दिन तीस।

काहे निर्गुन ज्ञान आपनुपो, जित तित डारत खीस

सूर प्रभु नंदनन्दन है, उनतें को जगदीश॥

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

Q.2. शक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि बताते हुये कृष्ण भक्तिधारा की प्रवृत्तियाँ बताइये।

Q.3. “सूर के काव्य में अनुभूति और अभिव्यक्ति दोनों पक्षों का सुन्दर समन्वय हुआ है।” इस कथन की सप्रमाण विवेचना कीजिए।

Q.4. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

i) सूर के उद्भव

ii) अष्टछाप के प्रमुख कवियों का परिचय

iii) सूरकाव्य की भाषा

**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

Q.5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

i) सूर किस काल के कवि है?

iii) सूर के काव्य का प्रधान रस का नाम क्या है?

v) सूरदास की अन्य रचनाओं के नाम लिखिये।

vii) कृष्ण भक्ति के सर्वश्रेष्ठ कवि का नाम

xi) सूर सागर के प्रेरक ग्रन्थ का नाम बताइये।

ii) सूर-सागर किस भाषा में लिखा गया है?

iv) सूर की भक्ति किस भाव की है?

vi) कृष्ण काव्य के अन्य कवियों के नाम

viii) सूर के गुरु का नाम बताइये

x) वात्सल्य रस के सम्राट का क्या नाम है?